प्रेरक प्रसंग / Inspirational Anecdote

एप्पल कंपनी के को–फाउंडर Steve Jobs (24 फरवरी 1955 – 5 अक्टूबर 2011) अपने इन्नोवेशन के जरिए आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। स्टीव जॉब्स 12 जून 2005 को स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी के एक प्रोग्राम में शामिल हुए जहां उन्होंने अपने जीवन का सबसे प्रसिद्ध भाषण "Stay hungry. Stay foolish." दिया। इस भाषण में उन्होंने अपने जीवन से जुड़ी तीन कहानियां सुनाई थीं। (जानकारी के लिए रश्मि बंसल की नवाचार एवं उद्यमिता पर प्रेरक पुस्तक Stay hungry. Stay foolish. का प्रकाशन IIM अहमदाबाद के CIIE (Center for Innovation, Incubation and Entrepreneurship) से 2008 में हुआ था।)

पहली कहानी– 17 साल की उम्र में मुझे कॉलेज में दाखिला मिला। पढ़ाई के दौरान मुझे लगा कि मेरे माता–पिता की सारी कमाई मेरी पढ़ाई में ही खर्च हो रही है। मैंने कॉलेज ड्रॉप करने का फैसला किया और सोचा कि कोई काम करूंगा। उस समय यह निर्णय शायद सही नहीं था, लेकिन आज जब मैं पीछे देखता हूं, तो मुझे लगता है कि मेरा निर्णय बिल्कुल सही था। उस समय मेरे पास रहने के लिए कोई कमरा नहीं था, अपने दोस्त के कमरे में जमीन पर ही सो जाता था। खाने के लिए मैं हर रविवार को सात मील चलकर हरे कृष्ण मंदिर जाता था। रीड कॉलेज कैलीग्राफी के लिए दुनिया में मशहूर था। पूरे कैम्पस में हाथ से बने हुए बहुत ही खूबसूरत पोस्टर्स लगे थे। मैंने सोचा कि क्यों न मैं भी कैलीग्राफी की पढ़ाई करूं। मैंने serif and san serif typefaces सीखे। इसी टाइपफेस से अलग–अलग शब्दों को जोड़कर टाइपोग्राफी तैयार की, जिसमें डॉट्स होते हैं। दस साल बाद मैंने पहला (Macintosh computer) डिजाइन किया। खूबसूरत टाइपोग्राफी के साथ यह मेरा पहला कम्प्यूटर डिजाइन था। यदि मैं कॉलेज से नहीं निकालता और मैंने कैलीग्राफी नहीं सीखी होती तो मैं यह नहीं बना पाता।

दूसरी कहानी– Wozaniak और मैंने मिलकर गैरेज में एप्पल की शुरुआत की। तब मेरी उम्र 20 साल थी। हमने खूब मेहनत की और 10 सालों में ही हम बहुत ऊपर पहुंच गए। एक गैरेज में दो लोगों से शुरू हुई कंपनी दो बिलियन लोगों तक पहुंच गई और इसमें 4000 कर्मचारी काम करने लगे। हमने अपने सबसे बेहतरीन क्रिएशन डंबपदजवेी (मैकिंटोश कम्प्यूटर) को रिलीज किया। जैसे–जैसे कंपनी आगे बढ़ी, हमने एक प्रतिभाशाली व्यक्ति को कंपनी संभालने के लिए चुना। मैं जब 30 साल का था, तो मुझे ही कंपनी से निकाल दिया गया। मुझे लगा कि मेरी ही कंपनी से मुझे कैसे निकाला जा सकता है। इसके बाद पांच सालों में मैंने एक नई कंपनी तैयार की 'NeXT' नाम से और इसके बाद एक और कंपनी 'Pixar' नाम से। 'Pixar' ने दुनिया की पहली कम्प्यूटर एनिमेटेड फीचर फिल्म ज्वल ैजवतल बनाई। आज इस स्टूडियो को दुनिया का बेहतरीन एनिमेशन स्टूडियो माना जाता है। इसके बाद एप्पल ने छमगज को खरीद लिया और मैं वापस एप्पल पहुंच गया। हमने ऐसी टेक्नोलॉजी बनाई जिसने एप्पल को नया जीवन दिया। मुझे लगता है कि यदि मुझे एप्पल से नहीं निकाला होता तो मैं यह सब नहीं कर पाता। कभी–कभी जीवन में ऐसे पल भी आते हैं, लेकिन हमें इससे घबराना नहीं चाहिए। आप अपनी मंजिल पर नजर रखें और आगे बढ़ते रहें। जीवन में कोई न कोई उद्देश्य होना बहुत जरूरी है, इसके बिना आगे नहीं बढ़ा जा सकता।

तीसरी कहानी– जब मैं 17 साल का था, तो मैंने एक कोटेशन/उद्धरण पढ़ा था कि आप हर दिन यह सोचकर जियो कि आज आखिरी दिन है । इस लाइन ने मुझे बहुत प्रभावित किया। 33 सालों में मैं रोज सुबह आइने में अपना चेहरा देखता हूं और यही सोचता हूं यदि आज मेरा आखिरी दिन है, तो मुझे वह करना चाहिए जो मैं चाहता हूं। कुछ सालों पहले ही मुझे कैंसर का पता चला। डॉक्टर ने मुझे बताया कि मैं तीन से छह घंटे ही जीवित रह पाऊंगा। मुझे कहा कि मैं परिवार वालों को अपनी बीमारी और अपने काम के बारे में बता दूं। मैंने अपना इलाज करवाया, सर्जरी हुई। अब मैं बिलकुल ठीक हूं। मैंने बहुत ही नजदीक से मौत को देखा। हम सभी के पास कम समय है, इसलिए किसी की बात सुनने की बजाय, अपने अंदर की आवाज सुनो और जो आवाज आती है, उसे मानो और आगे बढ़ो।

Stay hungry. Stay foolish.
Never let go of your appetite to go after new ideas, new experiences, and new adventures.